मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राज्य विधानसभा द्वारा अधिनियम 1991 के तहत स्थापित)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त)

E-NEWS LETTER

VOL: 2024-II APRIL-JUNE HTTPS://MPBOU.EDU.IN

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (CIQA) की बाह्य समिति की द्वितीय वार्षिक बैठक दिनांक 04/04/2024

बैठक की अध्यक्षता मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी द्वारा की गई। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया भी उपस्थित रहे। समिति में बाह्य सदस्यों के रूप में प्रो. (डॉ) राजेंद्र प्रसाद दास, कुलपति, कृष्ण कांत हांडिक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी गोवाहाटी, असम एवं प्रो. डॉ. संतोष पांडा, डायरेक्टर STRIDE, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली सम्मिलित हुए। बैठक में विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र के सभी आंतरिक सदस्य भी उपस्थित रहे।

बैठक के प्रारंभ में विश्वविद्यालय की आंतरिक गतिविधियों एवम अधोसरंचना को दर्शाती हुई एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई, जिसकी सभी ने सराहना की। बैठक में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र की निदेशक डॉ अनीता कौशल द्वारा एक प्रजेंटेशन द्वारा विश्वविद्यालय की वार्षिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं सभी सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के तीन मुख्य क्षेत्रों अकादमिक, प्रशासनिक एवम अधोसंरचना से संबंधित विषयों पर विचार विमर्श हुआ। गत वर्ष विश्वविद्यालय को NAAC द्वारा प्राप्त ग्रेड "A" के लिए समिति के बाह्य सदस्यों ने विश्वविद्यालय के सदस्यों की बहुत प्रशंसा की एवं बधाई दी।

बैठक में बाह्य सदस्यों ने विश्वविद्यालय में संचालित यूजीसी द्वारा अनुमोदित 35 ODL (मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा) प्रोग्राम एवम AICTE द्वारा अनुमोदित 9 प्रोग्राम हेतु विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र द्वारा तैयार किया गया विश्वविद्यालय का इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान (IDP) CIQA की एनुअल रिपोर्ट (2022-23) एवम विश्वविद्यालय की एनुअल रिपोर्ट (2022-23) को सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रो. डॉ. राजेंद्र प्रसाद दास एवम डॉ. संतोष पांडा ने उक्त बैठक में उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश द्वारा मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय को समाजशास्त्र विषय का भारतीय ज्ञान परंपरा का केंद्र बनाने पर बधाई दी एवम इसके क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। इसी कड़ी में बहुत जल्द तीन नए स्टडी सेंटर के आरंभ होने की भी सूचना दी गई। साथ ही साथ आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (CIQA) एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा तैयार कराई गई अकादमिक एवम अन्य गतिविधियों की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई।

बैठक के अंत में समिति सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के आगामी सत्र 2024-25 से प्रवेश प्रक्रिया CUET के माध्यम से कराए जाने की भी सूचना दी गई। इसके अतिरिक्त कई अन्य मुख्य बिंदुओं पर भी सदस्यों ने अपने अपने विचार प्रस्तुत किये एवं कुछ महत्वपूर्ण तत्थ्यों पर निर्णय भी लिए गए।

भोज मुक्त विश्वविद्यालय में एक्सटर्नल कमेटी की बैठक

Meeting of the External Committee at Bhoj Open University.

दिनांक **05/04/2024** को मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय और दिव्यांग जन आयुक्त, मध्य प्रदेश के मध्य एमओयू संपादित ।

कोविड के बाद बढ़ी ऑटिज्म पीड़ित बच्चों की संख्या : हेमंत

भोज मुक्त विवि में मनाया वर्ल्ड ऑटिज्म सप्ताह

विश्व ऑटिज्म सप्ताह

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में वर्ल्ड ऑटिज्म वीक के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. संजय तिवारी ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संदीप रजक कमिश्नर निशक्त जनकल्याण मध्य प्रदेश शासन उपस्थित थे। विश्व ऑटिज्म सप्ताह के अंतर्गत होने वाला यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित कराया गया।

विवि के वरिष्ठ सलाहकार हेमंत सिंह केसवाल ने कहा- 2007 में अनऑफिशियली 2 अप्रैल को ऑटिज्म दिवस मनाने का निश्चय किया गया था। साल 2000 तक ऑटिज्म 700 पर एक होता था, पर वर्तमान में यह संख्या 100 में से एक हो गई है। कोविड के बाद से ऑटिज्म में संख्या बढ़ गई है। ऐसे बच्चे जो ऑटिस्टिक होते हैं, उनमें सोशलिज्म और आई कॉन्टेक्ट कम होता है। यह एक न्यूरो डेवलपमेंटल डिसेबिलिटी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 3 वर्ष के बाद ऑटिज्म नहीं होता है। ऑटिज्म के केस लड़कों में चार गुना ज्यादा पाए जाते हैं। ऐसे बच्चे जिन्हें ऑटिज्म है उन बच्चों को बिहेवियरल स्पीच लैंग्वेज थेरेपी और स्पेशल एजुकेशन से कंट्रोल में लाया जा सकता है।

दीक्षारंभ कार्यक्रम 18 अप्रैल 2024

सवाड़ा, बैहर — जग प्रेरणा

शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में दीक्षारंभ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

जगप्रेरणा लालबर्रा। शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय भोपाल, म.प्र. में आयोजित नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2023-24 गुरुवार 18 अप्रैल 2024 पथ-प्रदर्शिका कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।

भोज विवि में अब एक साथ ले सकेंगे दो पाठ्यक्रमों में प्रवेश

दीक्षारंभ ● नव प्रवेशित विद्यार्थियों को विवि की कार्यप्रणाली से कराया अवगत

समारोह में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में दी जानकारी

सैद्धांतिक-प्रायोगिक विषयों के मूल्यांकन की भी बताई प्रक्रिया

व्याख्यान: समुदाय आधारित पारंपरिक जल संरक्षण
दिनांक: 19/04/24

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal
(Accredited with Grade 'A' by NAAC)

VIKSIT BHARAT @2047

Invitation

Community Based Traditional Water Conservation

Date - 19 April 2024

Timing: 11:30 am onwards

**Venue- Seminar Hall No. 25,
Madhya Pradesh Bhoj (Open) University,
Bhopal**

Chief Guest

**Shri Uma Shankar Pandey
Padma Shri Awarded
(The Jal Purush)**

Chairman

Prof. (Dr) Sanjay Tiwari
Hon'ble Vice Chancellor
Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

You are cordially invited to the Programme

Dr. Sushil Manderiya
Registrar

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University
Raja Bhoj Marg, Kolar Road, Bhopal, M.P.

व्याख्यान: समुदाय आधारित पारंपरिक जल संरक्षण

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में दिनांक 19/04/2024 को "समुदाय आधारित पारंपरिक जल संरक्षण" विषय पर आधारित एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पद्म श्री सम्मानित श्री उमाशंकर पांडे उपस्थित थे। उमाशंकर पांडेजी को उनके जल संरक्षण के उत्कृष्ठ कार्य पर "जल पुरुष" का सम्मान दिया जा चुका है। साथ ही भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से भी नवाजा है। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने उन्हें जल योद्धा का पुरस्कार प्रदान किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी द्वारा की गई एवं कार्यक्रम संयोजक के रूप में विश्विद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया उपास्थित थे।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित उमाशंकर पांडे जी ने अपने वक्तव्य की शुरुआत देश के पांच सबसे बड़े जल योद्धाओं का परिचय देते हुए की। उन्होंने कहा कि, वास्तव में भारत में पांच सबसे बड़े जल योद्धा हुए हैं, सबसे पहले भागीरथ जिन्होंने अथक प्रयास कर गंगा को पृथ्वी पर उतारा, दूसरी जल योद्धा थी माता अनुसुइया जिनने मंदाकिनी नदी को पृथ्वी का मार्ग दिखाया, तीसरे जल योद्धा थे राजा भोज जिन्होंने अपने राज्य में भोपाल के बड़े तालाब सहित कई बड़े-बड़े तालाबों का निर्माण करवाया,

व्याख्यान: समुदाय आधारित पारंपरिक जल संरक्षण

चौथी जल योध्या थीं रानी दुर्गावती जिन्होंने अपने गोंडवाना क्षेत्र में हजारों की संख्या में तालाब बनवाए और पांचवी जल योद्धा थी देवी अहिल्याबाई होलकर जिन्होंने अपने राज्य में और राज्य के बाहर भी कई बावड़ी और तालाबों का निर्माण करवाया। उन्होंने कहा कि,राजा भोज द्वारा लिखित जल विज्ञान पुस्तक लगभग 1200 साल पहले लिखी गई थी। जल के बारे में जानना है तो, उसे अवश्य पढ़ना चाहिए। श्री पांडे ने कहा कि, "पानी बनाया नहीं जा सकता लेकिन बचाया अवश्य जा सकता है"। हमें जल क्रांति लानी होगी और यह सिर्फ जन क्रांति से आएगी। जल स्वराज आएगा तो जन स्वराज आएगा। उन्होंनेअपने गांव उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के जखनी में अपने प्रयोग को विस्तृत रूप से समझते हुए कहा कि, किस प्रकार उन्होंने एक सूखे गांव को हरा-भरा और पानी वाले गांव में परिवर्तित किया। हर गुरु चाहता है कि, आप उससे भी बड़ा बने, हर पिता चाहता है कि वह अपने बेटे के नाम से जाना जाए। उन्होंने कहा कि, अच्छी संतान ही अच्छे राष्ट्र के लिए कार्य करती है। इस दौरान उन्होंने स्वत्रंत्रता संग्राम में मंगल पांडे के योगदान की भी चर्चा की। श्री पांडे ने कहा कि, आपको पानी बचाना है। पेड़ लगाना है। खेत में मेढ़ बनाने का निर्णय लें, पेड़ लगाइए। खेत की मिट्टी खेत में रहेगी, तो इससे काफी हद तक जल संरक्षण हो सकेगा। उनके इसी मॉडल पर आज देश के 1050 गांव में यह प्रयोग दोहराया जा रहा है। उन्होंने अपने पुराने दिनों के संघर्षों के बारे में बताते हुए कहा कि, किस प्रकार वह नगड़िया लेकर गांव-गांव घूम कर लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करते थे। और कैसे उन्हें समझाते थे। उन्होंने उपस्थित श्रोताओं को कहा कि, कभी अपने माता-पिता को दुखी नहीं करना चाहिए। उन्हें निराश नहीं करना चाहिए। माता-पिता में अनंत शक्ति होती है। जिसने माता-पिता को प्रसन्न कर लिया उसे कभी मंदिर जाने की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा कि, पानी बचाना केवल सरकार का काम नहीं है। यह समाज का काम है। हमें पानी बचाने के उपाय खुद करने होंगे। उन्होंने कहा कि, आज नदियां सूख रही है, तालाब सूख रहे हैं, हमारी बावड़िया सूख गई है, इनको बचाना और पुनर्जीवित करना हमारे समाज का कर्तव्य है। आज पूरी दुनिया में पानी का संकट है। इस संबंध में उन्होंने भारत के बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहरों का भी उदाहरण दिया है। हमें अपने जीवन जीने की कला में परिवर्तन लाना होगा।भारतीय धर्म परंपरा में शुरू से ही पानी का महत्व रहा है। उन्होंने कहा जल ही जीवन है, पानी से ही विष भी बनता है और पानी से अमृत भी बनता है।

व्याख्यान: समुदाय आधारित पारंपरिक जल संरक्षण

यह सृष्टि जो हरी भरी दिख रही है, यह सब पानी से ही है। उमाशंकर जी ने कहा कि, पानी की हमें रीसाइक्लिंग करनी होगी। वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देना होगा। जो पानी बचाएगा वही धनवान होगा। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि दुनिया के सारे धर्म चाहे हिंदू हो, चाहे ईसाई हो, चाहे मुस्लिम हो या फिर जैन हो सभी धर्मों में पानी के महत्व को बार-बार रेखांकित किया गया है।

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal
(Accredited with Grade 'A' by NAAC)
VIKSIT BHARAT @2047

Invitation

Community Based Traditional Water Conservation

Date - 19 April 2024
Timing: 11:30 am onwards
Venue- Seminar Hall No. 25, Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

Chief Guest
Shri Uma Shankar Pandey
Padma Shri Awarded
(The Jal Purush)

Chairman
Prof. (Dr) Sanjay Tiwari
Hon'ble Vice Chancellor
Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

You are cordially invited to the Programme

Dr. Sushil Manderiya
Registrar

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University
Raja Bhoj Marg, Kolar Road, Bhopal, M.P.

उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से कहा कि आपको अगर पानी के बारे में और अधिक पढ़ना है तो "वराह मिहिर के सूत्र" पढ़िए, "मेघमाला" पढ़िए, रविंद्र नाथ टैगोर की "बाँध विनाशकारी" पढ़िए, मुंशी प्रेमचंद्र की "ठाकुर का कुआं" पढ़िए, मोहन राकेश का "आषाढ़ का एक दिन" पढ़िए इससे आपकी जल के प्रति समझ बढ़ेगी। उन्होंने आवाहन किया कि, भारत में हरित क्रांति, श्वेत क्रांति के बाद अब जल क्रांति होनी चाहिए। हमें व्यक्तिगत जीवन में ईमानदार रहना होगा यदि हम व्यक्तिगत जीवन में इमानदार होंगे तो, सफल भी होंगे। अंत में उन्होंने आवाहन किया कि, प्रत्येक व्यक्ति को हर रोज लगभग 2 से 10 लीटर पानी बचाना चाहिए।

कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सहायता और क्षेत्रीय सेवाएं विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना सिंह बिसेन द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के समस्त विद्यार्थी, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त)

विश्व पृथ्वी दिवस **23/04/2024**

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्री लोकेंद्र ठक्कर, समन्वयक जलवायु परिवर्तन राज्यज्ञान प्रबंधन केंद्र, पर्यावरण विभाग, मध्य प्रदेश शासन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी द्वारा की गई एवं कार्यक्रम संयोजक के रूप में विश्विद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया उपास्थित थे। विश्व पृथ्वी दिवस के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है, पृथ्वी पर बढ़ रहे जलवायु प्रदूषण को रोकना। पॉलिथीन हो या प्लास्टिक से जुडी कोई अन्य वस्तु हमारा प्रयास होना चाहिए कि, अगर हम समाज से, पर्यावरण से इसके इस्तेमाल को रोक न पाएं तो कम से कम अपने हाथों इसका इस्तेमाल दिन प्रति दिन कम करते जाएं। इसी सन्दर्भ में आज की चर्चा का विषय रहा " प्लेनेट एंड प्लास्टिक "।

विश्व पृथ्वी दिवस 23/04/2024

कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि, प्रकृति जो हमें मिली थी, वह नियोजित थी। किंतु हमने इसे काफी नुकसान पहुँचाया है। किसान धरती मां का सच्चा सेवक है। शहरीकरण के कारण धरती को लगातार नुकसान पहुंच रहा है। खेती योग्य भूमि सिकुड़ती जा रही है। हरियाली कम होने से धरती का तापमान बढ़ रहा है। हमारे ग्लेशियर पिघल रहे हैं और मरुस्थलीकरण लगातार बढ़ रहा है। भूजल का अधिक दोहन किया जा रहा है। इससे मृदा में नमी की कमी होने से सूक्ष्म जीव नष्ट हो रहे हैं। जिससे हमारे कृषि को नुकसान पहुँच रहा है। खनिज पदार्थों के अधिक दोहन के कारण धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इससे हमारी धरती लगातार जख्मी हो रही है। डॉ. मंडेरिया ने कहा कि, भारत के पश्चिमी घाट पर खनिज दोहन के कारण वर्षा चक्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बड़े-बड़े बांध पर्यावरण के लिए अच्छे नहीं हैं, इसका धरती पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता जा रहा है।

इस अवसर पर बहु माध्यमीय शिक्षा विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. हेमंत सिंह केसवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में सबसे अधिक योगदान विकसित देशों का है। इसकी अपेक्षा विकासशील देशों का योगदान बहुत कम है। उन्होंने कहा कि, पर्यावरण का नुकसान करने में ग्रामीणों की अपेक्षा शहरी लोगों का ज्यादा योगदान है। भारतीय संस्कृति में विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों और वन्य जीवों की पूजा की जाती है।लेकिन भूमंडलीकरण के कारण हम लोग प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं।

विश्व पृथ्वी दिवस 23/04/2024

मुख्य वक्ता श्री लोकेंद्र ठक्कर ने कहा कि, पृथ्वी को बचाने का कार्य हमारा है और यह जिम्मेदारी प्राकृतिक रूप से महिलाओं को अधिक दी गई है। उन्होंने बताया कि जलवायु में परिवर्तन, प्रदूषण, जैव विविधता की कमी, आज की सबसे बड़ी समस्याएं हैं। हम जानते हैं कि, हमारे आसपास से बहुत सारे पौधे, जीव, जंतु, पशु, पक्षी गायब हो गए हैं। उन्होंने विलुप्त प्रजातियों के विषय पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि, किसी प्रजाति का विलुप्त हो जाना परमाणु युद्ध के बराबर का संकट है।

ग्रीन हाउस गैसों के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है। श्री ठक्कर ने दुबई की बाढ़ का जिक्र करते हुए, जलवायु परिवर्तन पर भी चिंता प्रकट की। हम एक व्यक्ति के तौर पर, समाज के तौर पर, राज्य के तौर पर और देश के तौर पर प्लास्टिक को कम करने के लिए क्या कर सकते हैं ? यह हमें देखना होगा। प्लास्टिक वरदान भी है और अब तो यह अभिशाप बनता जा रहा है। प्लास्टिक आज पर्यावरण की सबसे बड़ी समस्या हो गई है। इसके लिए प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध सम्बन्धी एक अंतरराष्ट्रीय संधि की आवश्यकता है। कुल प्लास्टिक का 40% सिंगल यूज़ प्लास्टिक है।

प्लास्टिक को इस दुनिया से खत्म होने में लगभग 400 साल लग सकते हैं। 50% प्लास्टिक पिछले 20 वर्षों में ही पैदा हुआ है और यह 2050 तक दुगना हो जाएगा। उन्होंने कहा कि, यह सारे प्लास्टिक अंत में जाकर समुद्रों में ही पहुंचते हैं। बोतल के पानी में माइक्रो प्लास्टिक होते हैं। जो गर्मी के कारण धीरे-धीरे पानी में घुलता रहते हैं। यही माइक्रो प्लास्टिक हमारे शरीर के में जाकर विभिन्न अंगों में जमा होते हैं। जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारियां होती हैं।

विश्व पृथ्वी दिवस 23/04/2024

उन्होंने कहा कि, प्लास्टिक का कचरा बिल्कुल नहीं जलाना चाहिए। क्योंकि प्लास्टिक जलाने से फ्यूरोन्स निकलते हैं। जो की धूल के कणों में चिपक जाते हैं और हमारी सांस के साथ शरीर में जाते हैं। यही हमारी बीमारी का कारण बनते हैं। हमारे विचारों और क्रियाकलापों में दोहरापन है। इस वजह से हम पर्यावरण की चिंता तो करते हैं किंतु, उसे वास्तविकता में लागू नहीं कर पाते। अंत में उन्होंने सभी से आवाहन किया कि, सिंगल यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल न करें।

इस अवसर पर भोज विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. निधि रावल गौतम ने अपने वक्तव्य में कहा कि, हमें प्लास्टिक का उपयोग कम करना होगा और इसकी शुरुआत हमें खुद से ही करनी होगी। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग कम करने के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया उन्होंने कहा कि, प्लास्टिक का उपयोग कम करने में हर व्यक्ति को अपनी ओर से छोटे-छोटे प्रयास करने होंगे। तभी हम सफल हो पाएंगे। हम प्लास्टिक का उपयोग जितना कम करेंगे उतना प्लास्टिक का उत्पादन भी कम होगा।

विश्व पृथ्वी दिवस 23/04/2024

पृथ्वी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए, मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय तिवारी ने अपने अध्यक्षीय उद्धबोधन में कहा कि, विश्व में प्रति मिनट लगभग 10 लाख पानी की बोतल खरीदी जाती हैं। माइक्रोवेव ओवन हमारे स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित नहीं है। इसमें इस्तेमाल किया जाने वाला प्लास्टिक तो और भी खतरनाक होता है। डॉ. तिवारी ने कहा कि, हमारे खून के अंदर माइक्रो प्लास्टिक प्रवेश कर गए हैं। हमें तुरंत प्लास्टिक का उपयोग कम करना होगा। हमने जितना इस पृथ्वी का नुकसान किया है।

किसी अन्य प्रजाति ने नहीं किया होगा। अंत में उन्होंने कहा कि, जलवायु परिवर्तन के कारण हमारी जीडीपी को बहुत भारी नुकसान होगा। कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना सिंह बिसेन ने किया तथा आईटी विभाग के निदेशक प्रो सुशील कुमार दुबे द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कर्मचारी, शिक्षक, अधिकारी तथा विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड एवं मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के मध्य बैठक दिनांक: 25/04/2024

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में दिनांक 25.4.2024 को राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड एवं मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के मध्य विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए सामंजस्य स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। दोनों ही संस्थाओं ने तय किया है कि, बहुत ही जल्द दोनों के बीच MOU किया जाएगा। जिसके बाद मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय एवं राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड, दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से पूरे प्रदेश के विद्यार्थियों को छोटे बड़े प्रकार के डिप्लोमा और डिग्री उपलब्ध करवाकर विद्यार्थियों को भविष्य सुनिश्चित करने में सहायक होंगे। बैठक के मुख्य अतिथि प्रभात तिवारी, निदेशक, राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड अपने बोर्ड के सदस्यों के साथ विश्वविद्यालय में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी द्वारा की गई।

श्री प्रभात तिवारी, निदेशक, राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के उपस्थित अधिकारियों, प्राध्यापकों को डिजिटल प्रेजेंटेशन के माध्यम से उनके द्वारा चलाई जा रही ओपन स्कूलों से जुडी योजनाओं से अवगत कराया। साथ ही यह भी बताया कि मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड वर्तमान में तीन योजनाएं चला रहा है। जिसमे पहली योजना है- "रुक जाना नहीं" इस योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों को 10वीं एवं 12वीं कक्षा को आसानी से उत्तीण करने में मदद करता है। दूसरी योजना है- "आ लौट चले" जिसमें वे विद्यार्थी शामिल किये जाते हैं जो विद्यालय छोड़ चुके होते हैं, उनको 10वीं एवं 12वीं की शिक्षा उपलब्ध करवाता है। तीसरी योजना है- "सबके लिए शिक्षा" बोर्ड द्वारा संचालित की जा रही इस योजना में हर वर्ग को शिक्षा से जोड़ने की नीतियां सम्मिलित है।

राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड एवं मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के मध्य बैठक दिनांक: 25/04/2024

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय की निदेशक प्रो अनीता कौशल द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियों से अवगत कराया गया। साथ ही मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के डायरेक्टर श्री प्रभात तिवारी के साथ में "स्किल डेवलपमेंट" के प्रोग्राम के संबंध में चर्चा की गई। बैठक के अंत में यह सुनिश्चित किया गया कि, मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड एवं मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय

एक साथ मिलकर विद्यार्थियों के लिए डिप्लोमा कार्यक्रम प्रारंभ करेंगे और दोनों संस्थाएं एक दूसरे को मदद करेंगी। बैठक मेंआभार प्रदर्शन प्रो रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय के गैर शैक्षणिक स्टाफ हेतु आयोजित कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र की झलकियां दिनांक: **22/04/2024**

विश्वविद्यालय परिसर में लोक तंत्र के पावन अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजन किया गया **06/05/2024**

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में दिनांक 06/05/2024 को विश्वविद्यालय परिसर में लोक तंत्र के पावन अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य था

7 मई 2024 को भोपाल एवं अन्य कुछ क्षेत्रों में होने जा रहे लोकसभा के चुनाव में प्रत्येक वोटर जिसकी आयु 18 वर्ष से अधिक है, वह अपना मत देने अवश्य जाए। कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग से प्राप्त मतदाता जागरूकता पंपलेट का वितरण किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, प्राध्यापक, समस्त कर्मचारीगण एवं विशेष शिक्षा विभाग और जनरल शिक्षा विभाग के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. एल पी झरिया ने उपस्थित समस्त विश्वविद्यालय परिवार को मतदान करने के प्रति जागरूक करते हुए यह भी समझाया की हमे अपने मत का दान अवश्य करना चाहिए। मतदान हमारा अधिकार है और लोकतंत्र के इस पावन अवसर में हमें अपनी सहभागिता अवश्य देनी होगी। कार्यक्रम के अंत में डॉ एल पी झरिया द्वारा समस्त उपस्थित सदस्यों को मतदान करने की शपथ भी दिलाई गई।

राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी दिवस कार्यक्रम
दिनांक: **13/05/2024**

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में दिनांक (11.05.2024) को "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस" के अवसर पर एक व्याखान कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के "संस्थानिक नवाचार परिषद" के द्वारा किया गया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में रघुराज माधव राजेंद्रन (IAS) सचिव, ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, मध्य प्रदेश शासन एवं मुख्य वक्ता आशुतोष कुमार सिंह, डायरेक्टर, IIIT भोपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ संजय तिवारी द्वारा की गई, साथ ही कार्यक्रम के आयोजक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ सुशील मंडेरिया उपस्थित थे।

विशिष्ट अतिथि रघुराज माधव राजेंद्रन (IAS) ने प्रौद्योगिकी दिवस के मौके पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, प्रौद्योगिकी का उद्देश्य यह होना चाहिए कि, यह हमारी किसी आवश्यकता को पूर्ण करें अथवा हमारे किसी समस्या को हल करें लेकिन कई बार ये देखा जाता है कि, यह प्रौद्योगिकी हमारी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के स्थान पर नई आवश्यकताओं को भी पैदा कर देती है। कई बार यह भी देखते हैं कि, प्रौद्योगिकी किसी समस्या को हल करने के स्थान पर कुछ नई समस्याओं को भी पैदा कर देते हैं। श्री राजेंद्रन ने इस बात पर बल दिया कि, हमें गैर वाणिज्यिक विषयों पर शोध की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षकों से आवाहन किया कि, हमें गैर वाणिज्यिक किंतु सामाजिक सरोकार से जुड़े विषयों पर अनुसंधान करना चाहिए।

मुख्य वक्ता भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के निदेशक डॉक्टर आशुतोष कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में क्लाउड कंप्यूटिंग और मशीनलर्निंग पर अपने विचार रखते हुए कहा कि, ज्ञान स्थाई होता है, किंतु तकनीक अस्थाई होती है।

राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी दिवस कार्यक्रम
दिनांक: 13/05/2024

उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग की मूलभूत अवधारणा को समझाते हुए कहा कि, हमें क्लाउड कंप्यूटिंग पर स्थानांतरित होने की आवश्यकता क्यों होती है ? उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग में आने वाली चुनौतियों की भी चर्चा की। डॉ. सिंह ने सर्वर मैनेजमेंट, रिसोर्स यूटिलाइजेशन की विभिन्न विधियां और वर्कलोड अनुमान पर प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने अपने स्वयं के समूह द्वारा बनाया हुआ क्वांटम मशीन लर्निंग मॉडल को भी समझाया। उन्होंने बिट को क्यूबिट में परिवर्तन करने हेतु एल्गोरिथम के निर्माण के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के परिपेक्ष में दर्शकोंको अवगत कराते हुए बताया कि, किस प्रकार 1999 से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। डॉ. तिवारी ने 1974 और फिर 1998 में किए गए भारत के प्रथम एवं द्वितीय परमाणु परीक्षणों का उल्लेख किया। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि, भारत जो कल तक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दूसरे देशों का अनुगामी था, आज वह विश्व में नेतृत्व कर रहा है।

राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी दिवस कार्यक्रम
दिनांक: 13/05/2024

डॉ. तिवारी ने कहा कि, हमें नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए। जय जवान, जय किसान और जय विज्ञान के साथ-साथ अब आज की आवश्यकता है, जय अनुसंधान की।

उन्होंने भारत में तकनीकी और प्रौद्योगिकी के विस्तार पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला। भारत विश्व में स्टार्टअप की राजधानी बनने वाला है। भारत में 100 से अधिक यूनिकॉर्न है। उन्होंने उपस्थित दर्शकों से कहा कि, आपको इस तकनीकी और विज्ञान की प्रगति में अपना योगदान देना होगा और तकनीक का इस्तेमाल हमें हमारे समाज की समस्याओं को हल करने के लिए करना होगा।

कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना सिंह बिसेन द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन संस्थानिक नवाचार परिषद के प्रभारी डॉ. शैलेंद्र सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सुशील कुमार मंडेरिया के साथ साथ विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों के प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला
दिनांक: **14/05/2024**

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में दिनांक 14/5/2024 को विशेष शिक्षा विभाग के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कराया गया। कार्यशाला का विषय था "विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का प्रबंधन" कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था ऐसे बच्चे या ऐसे दिव्यांग जन जिनका रहना, उठना, बैठना सामान्य व्यक्तियों के साथ तो है पर सामान्य व्यक्तियों को उनके बारे में कोई खास जानकारी न होने के चलते ऐसे बच्चों के साथ ठीक बरताव नहीं हो पाता है। उन्हें अलग होने का अहसास कराया जाता है। ऐसे बच्चों को आम भाषा में ऑटिज्म चाइल्ड या ऑटिज्म पर्सनेलिटी कहा जाता है। कार्यशाला के माध्यम से सामान्य व्यक्तियों को ऐसे बच्चों के बारे में समझने और समझाने की आसान पद्धतियों से अवगत कराया गया।

दिव्यांग बच्चों के प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला
दिनांक: 14/05/2024

साथ ही साथ यह भी समझाया गया कि किस प्रकार हम ऑटिज्म चिल्ड्रन को धीरे धीरे सामान्य जीवन की ओर ले जा सकते हैं। किस प्रकार इन बच्चों के व्यक्तित्व में परिवर्तन लाया जा सकता है।

इस एक दिवसीय कार्यशाला हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विषय संबंधित विभिन्न विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर प्रथम सत्र के लिए मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. आई. बी. कुमार, इंचार्ज, सीआरसी, भोपाल मोजूद थे। द्वितीय सत्र में विशेष अतिथि के रूप में श्री के. सी. गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन, भोपाल उपस्थित थे। विशेषज्ञों में रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ. सोनम चट्टवानी, रिहैबिलिटेशन काउन्सलर, मनोविज्ञानी, भोपाल एवम डॉ. जगमीत कौर चावला, डायरेक्टर, आधार सेंटर फॉर चाइल्ड डेवलपमेंट और साइकोलॉजिकल काउंसलिंग, भोपाल उपस्थित थी। दोनों ही विषय विशेषज्ञों ने अपने अपने अनुभव प्रतिभागियों के साथ साझा किए। उन्होंने यह भी समझाया कि, किस प्रकार विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों की पहचान की जा सकती है ? और किस प्रकार उनकी समस्याओं को दूर किया जा सकता है? कार्यशाला की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी द्वारा की गई एवं कार्यक्रम संयोजक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों के प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला
दिनांक: 14/05/2024

ऑटिज्म के विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए के. सी. गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, म.प्र. शासन ने कहा कि, आज समय की आवश्यकता है कि, विशेष योग्यता के बच्चों को सुविधाएं दी जाएं। इस मौके पर उन्होंने कई दिव्यांगजनों की सफलताओं की कहानी भी साझा की। दिव्यांगजनों हेतु नई-नई प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर बल दिया। समाज को दिव्यांग जनों के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि, मध्य प्रदेश शासन दिव्यांग जनों को विभिन्न प्रकार के आरक्षण प्रदान कर रहा है।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि, किसी के परिवार में अगर कोई दिव्यांग है तो, उसे हमें स्वीकार करना चाहिए और मन से स्वीकार करना चाहिए। ऐसे बच्चों को हमें हमेशा प्रेरित करना चाहिए। दिव्यांग जनों की सफलता की कहानी सुना कर उन्होंने सभागार में उपस्थित विशेष शिक्षा के विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि, ह्यूमन बीइंग में हियूमस का अर्थ है शरीर और बीइंग का अर्थ आत्मा। प्रो. तिवारी ने शरीर और आत्मा के संबंध को बताया। शरीर दिमाग के आदेश को नहीं मानता है तो यही दिव्यांगता है। उन्होंने कहा कि, हमारे समाज में अक्सर व्यक्ति अपने बारे में भी दूसरों की राय के बंधक हैं। डॉ. तिवारी ने बतलाया कि, 2011 में भारत में लगभग 3.6 करोड़ लोग दिव्यांग थे और इनमें से 45% लोग अशिक्षित थे। उन्होंने कहा कि, समाज में अभी भी दिव्यांग बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता। दिव्यांग जनों की सहायता के लिए विभिन्न प्रकार की तकनीकें आ चुकी हैं। इनका हमें भरपूर इस्तेमाल करना चाहिए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी एवं श्री के. सी. गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, म.प्र. शासन, डॉ. हेमंत केसवाल एवम विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. सुशील मंडेरिया द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए ।

इस एक दिवसीय कार्यशाला में मंच संचालन मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना सिंह बिसेन द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन विशेष शिक्षा विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर हेमंत केसवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवम कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सुशील कुमार मंडेरिया के साथ साथ समस्त विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री के सी गुप्ता द्वारा मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया गया

दिनांक **14 /05/ 2024**

भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली की अपेक्स एडवाइज़री कमेटी की बैठक दिनांक 27/05/2024

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में दिनांक 27/05/2024 को "भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली" की "शीर्ष परामर्श दात्री समिति" का दौरा संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. शरणजीत कौर, भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा की गई। इसके साथ ही समिति की अन्य सदस्यों में एवम आर सी आई के मेंबर सेकेट्री श्री विकास त्रिवेदी, प्रो. शालिनी सिंह तथा प्रो. नीरू राठी सहित मध्य प्रदेश सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के कमिश्नर श्री संदीप रजक उपस्थित रहे ।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हेमंत केशवाल ने कहा कि, मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में बी एड विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम की शुरुआत सन 2000 में हुई थी और यह पिछले 25 वर्षों से लगातार चल रहा है। हमारे लगभग 15000 एलुमिनाई है। उन्होंने कहा कि, हम विशेष शिक्षा में कुछ शोध आधारित पाठ्यक्रम चालू करना चाहते हैं। साथ ही विशेष शिक्षामें एम एड पाठ्यक्रम भी चालू करना चाहते हैं। डॉ. केसवाल ने इस बात पर भी विशेष जोर दिया कि, हम अपनी शिक्षा में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हैं।

भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली की अपेक्स एडवाइज़री कमेटी की बैठक दिनांक **27/05/2024**

इस अवसर पर मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र की निदेशक डॉ. अनीता कौशल ने विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्य, अकादमिक पाठ्यक्रम, उपलब्धियां, कार्यप्रणाली तथा अधोसंरचना के बारे में समिति के समक्ष एक प्रस्तुतीकरण किया।

समिति एवम भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष, डॉ.शरणजीत कौर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, कोई संस्थान तब तक तरक्की नहीं करते जब तक उनके अधिकारियों और कर्मचारियों में जुनून नहीं होता । उन्होंने भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय और भारतीय पुनर्वास परिषद दोनों का मकसद एक बताया। डॉ. शरणजीत ने कहा कि, आज देश में कितने दिव्यांग लोग हैं। इसकी संख्या जानना हमारे लिए एक चुनौती है क्योंकि हम इसी आधार पर यह आकलन कर सकते हैं कि आने वाले समय में हमें कितने विशेष शिक्षकों की आवश्यकता होगी? कितने मनोवैज्ञानिकों की आवश्यकता होगी ? डॉ. कौर ने कहा कि, हर राज्य में दिव्यांगता वाले बच्चे की पहचान का एक सर्वे होना चाहिए। जिससे हमें एक डाटा उपलब्ध हो सके। जब बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र बनता है, इस समय डॉक्टर के द्वारा दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग हो जाना चाहिए। यह स्क्रीनिंग की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग को लेनी होगी । उन्होंने कहा कि, इस प्रकार दिव्यांग जनों की संख्या प्राप्त होने पर हमें उनके लिए योजना बनाने में आसानी होगी। दिव्यांगता संबंधी शिक्षको मुख्य धारा में लाना आज की आवश्यकता है। आज जब हम नई शिक्षा नीति के तहत विभिन्न सिलेबस बना रहे हैं तो, हमें इस बात को ध्यान रखना होगा कि, विशेष शिक्षा को भी हम इसमें शामिल करें ।

उन्होंने बताया कि, हमें व्यक्ति और समाज को दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील बनाना होगा। हमें विभिन्न तकनीकों के प्रभाव में आकर अपनी संवेदनशीलता नहीं खोनी चाइए। उन्होंने कहा कि, भारतीय पुनर्वास परिषद दिव्यांगजनो को सुविधा मुहैया कराने वाला संस्थान है। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि जो संस्थान विशेष शिक्षा के पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं, उनमें गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

इसी क्रम में मध्य प्रदेश शासन के निशक्तता कमिश्नर श्री संदीप रजक ने अपने उद्बोधन में कहा कि, भारतीय पुनर्वास परिषद के अध्यक्ष की इच्छा अनुसार मध्य प्रदेश में सभी कार्य पूर्ण किए जाएंगे। आज मध्य प्रदेश में दिव्यांगजनों के कार्ड प्रत्येक जिले में विशेष शिविर लगाकर बनाए हैं। श्री रजक ने कहा कि, हर विद्यालय में एक-एक विशेष शिक्षक होना चाहिए और हर शासकीय स्कूल में एक विशेष शिक्षक तो होना ही चाहिए। इस प्रकार भविष्य में हमें बहुत बड़ी संख्या में विशेष शिक्षकों की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि, भोज विश्वविद्यालय में फाउंडेशन कोर्स को फिर से चालू करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे, मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि , दिव्यांगजन समस्त मानसिकऔर शारीरिक बाधाओं को पार करते हुए तरक्की कर रहे हैं। उन्हें सहानुभूति नहीं चाहिए बल्कि उन्हें समान व्यवहार चाहिए और सम्मान चाहिए । डॉ. तिवारी ने कहा कि, 45% से ज्यादा बच्चे जो दिव्यांग है वह अशिक्षित है । उन्होंने बताया कि, दिव्यांग जनों के लिए विशेष कानून पारित किया गया है। उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि, बी एड विशेष शिक्षा का पाठ्यक्रम एक बार फिर से विश्वविद्यालय का ध्वजवाहक पाठ्यक्रम बनेगा। यदि हम जीवन में दृढ़ता और विश्वास के साथ रहते हैं तो सफलता अवश्य मिलती है। डॉ. तिवारी ने कहा कि, भारतीय पुनर्वास परिषद ने पूरे देश में दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए हैं और अब भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेगा।

द्वितीय सत्र में शीर्ष परामर्श दात्री समिति ने विशेष शिक्षा विभाग के साथ में एक विशेष बैठक की। जिसमें कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चाएं हुई। इसके साथ ही समिति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और तथा अधो-संरचनाओं का निरीक्षण भी किया। मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ. हेमंत केसवाल ने बताया कि समिति ने मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के बी एड स्पेशल एजुकेशन पाठ्यक्रम जिसके की वर्तमान में 500 सीटें हैं उनको बढ़ाकर 1000 करने पर सहमति बनी है। इसके अलावा एम एड विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम तथा अन्य विशेष शिक्षा संबंधी पाठ्यक्रम चालू करने के संबंध में चर्चा हुई तथा इसमें आगामी प्रक्रियागत कार्रवाई की जाकर भविष्य में विश्वविद्यालय और भारतीय पुनर्वास परिषद के मध्य अनुबंध हस्ताक्षरित किए जाएंगे।

भारतीय पुनर्वास परिषद के सदस्य सचिव श्री विकास त्रिवेदी ने कहा कि, हम विश्वविद्यालय के साथ काम करने को तत्पर हैं। आपने जो बीएड विशेष शिक्षा की सीट बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है, परिषद उस पर सकारात्मक रूप से विचार करेगा। उन्होंने कहा कि, सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय है कि, हर स्कूल में एक विशेष शिक्षक की आवश्यकता है। देश के लगभग 60 लाख स्कूलों में प्रशिक्षित शिक्षकों की आवश्यकता होगी और इसे पूरा करने में मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय जैसी संस्थाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। उन्होंने कहा कि, सामान्य शिक्षक को भी विशेष शिक्षा के मूलभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाना आज की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में आभार प्रदर्शित करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि, दिव्यांगजनों की चिंता केवल उनके परिवार वालों की चिंता नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनकी चिंता समाज के हर व्यक्ति को करना चाहिए। हर व्यक्ति को दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने अवगत कराया कि, इस बार विश्वविद्यालय नियमित तरीके से पी.एच.डी पाठ्यक्रम चालू करने जा रहा है। विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में मंच संचालन, मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना सिंह बिसेन द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी और कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम
दिनांक: **05/06/2024**

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में दिनांक 05/06/2024 को "विश्व पर्यावरण दिवस" के अवसर पर एक बहुत ही उत्साह वर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का विषय था "भूमि सुधार, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता" कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया। इस उपलक्ष्य में मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत रमेश श्रीवास्तव, सेवा निवृत्त, प्रमुख वन विभाग अधिकारी, म. प्र. शासन उपस्थित थे। साथ ही मुख्य अतिथि के रूप में श्री ईशान लखीना एवं श्रीमती तृप्ति शुक्ला, संस्थापक, हैप्पी प्लांट प्रोजेक्ट, भोपाल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ संजय तिवारी द्वारा की गई एवं कार्यक्रम में संयोजक के रूप में डॉ. सुशील मंडेरिया उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए एक संकल्प लिया गया साथ ही एक गतिविधि "सीड बॉल" का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी अतिथियों एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इसमें बीजों को मिट्टी की बॉल बना कर दबाया गया। मानसून आने पर इन्ही बॉल्स को जमीन में बीजारोपण किया जावेगा। कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन करते हुए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र की निदेशक डॉ. अनिता कौशल ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त प्रमुख वन संरक्षक, मध्य प्रदेश सरकार, श्री रमेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि, हमें पर्यावरण संरक्षण हेतु अपने संसाधनों का उचित उपयोग करना होगा।

विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम

दिनांक: 05/06/2024

पर्यावरण की सेहत सुधारने सरकार के साथ लोगों का योगदान है जरूरी

प्रकृति की चिंता ● भोज मुक्त विवि समेत कई स्थानों पर हुआ पौधारोपण

वर्तमान में लगे पौधों की सुरक्षा करना भी जरूरी

भारतीय स्टेट बैंक अधिकारियों ने रोपे पौधे

ओजोन परत का क्षरण हो रहा था, लेकिन विश्व में हो रहे अथक प्रयासों से इसमें सुधार लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि, पर्यावरण के सुधार में सरकार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। जल जीवन का आधार है किंतु, आज इसे एक वस्तु बना दिया गया है। पहले यह सभी को मुफ्त में उपलब्ध था। किंतु आज हमें इसे खरीदना पड़ता है। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि, विकास की किसी परियोजना को लाने से पहले हमें उसकी लागत एवं लाभ का विश्लेषण अवश्य करना चाहिए। आज आवश्यकता है कि, अकादमी और प्रशासनिक लोग आपस में मिलकर पर्यावरण की समस्याओं से निपटने का उपाय आपस में साझा करें। आज भारत में भूमि, मरुस्थलीकरण का खतरा बढ़ता जा रहा है।

पारिस्थितिक तंत्र अर्थव्यवस्था और समाज पर देश जलवायु परिवर्तन का एक साथ अध्ययन आवश्यक है। श्री रमेश ने अपने वन विभाग के अनुभवों को श्रोताओं के साथ साझा करते हुए कहा कि, भूमि में यदि नमी की मात्रा कम हो जाती है या खत्म हो जाती है तो भूमि मरुस्थलीकरण की ओर बढ़ती है। भारत में लगभग 40% लोगों की जीविका मृदा और मृदा आधारित गतिविधियों से आती है जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए हमारे दिनचर्या में सुधार करना होगा और हमारे संसाधनों का उचित सदुपयोग करना होगा। श्री रमेश ने जलवायु परिवर्तन के आर्थिक प्रभाव सामाजिक प्रभाव और परिस्थितिकीय प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि, हमें जल बचाना होगा, ऊर्जा बचानी होगी और प्लास्टिक के उपयोग को अत्यंत कम करना होगा।

विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम
दिनांक: 05/06/2024

कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि श्री ईशान लखीना ने कहा कि, पौधा लगाने की अपेक्षा, यदि हम वर्तमान में लगे पौधों को बचा ले तो भी यह बड़ी बात होगी। प्रति वर्ष मध्य प्रदेश में दो करोड़ पौधे काटे जाते हैं और लगभग 2 लाख लगाये जा जाते हैं, जो की पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि, उन्होंने 2021 में "हैप्पी प्लांट प्रोजेक्ट" चालू किया था। इसमें वे पौधों के बीजों की मिट्टी और खाद के साथ सीड बॉल बनाकर रखते हैं और विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं को बांटते हैं जो इन्हें विभिन्न स्थानों पर रोपित करते हैं। इस वर्ष 100000 सीड बॉल बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय तिवारी ने कहा कि, पिछले 15 दिनों में हमने अपने आसपास के बढ़े हुए तापमान के कारण यह एहसास कर लिया है कि, जलवायु परिवर्तन क्या होता है ?

विभिन्न प्रकार के पशु, पक्षी मर रहे हैं। लेकिन उनकी मृत्यु में इनका कोई दोष नहीं है। उनकी मृत्यु का दोषी तो मनुष्य है। क्योंकि जलवायु परिवर्तन का कारण वन्य जीव नहीं, बल्कि मानव है। डॉ. तिवारी ने कहा कि, आज ग्लोबल वार्मिंग की जगह ग्लोबल बोइलिंग शुरू हो चुकी है। विश्व में आज प्रतिवर्ष 38 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड प्रतिवर्ष उत्सर्जित होता है। औद्योगीकरण के कारण कार्बन उत्सर्जन तेजी से बढ़ रहा है। पृथ्वी का तापमान साल दर साल बढ़ता जा रहा है। डॉ.तिवारी ने बताया कि, 1 टन का एसी 8 घंटे चलने पर लगभग 2 टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन करता है, जबकि एक पेड़ अपने जीवन काल में 2 टन कार्बन का अवशोषण करता है। आज हमें जल, जंगल और जमीन का दुरुपयोग रोकने की आवश्यकता है। समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। इस दिशा में हमें योजना बनाकर काम करना होगा। यदि हम आज नहीं जागेंगे, तो प्रकृति हमें दूसरा अवसर नहीं देगी। जलवायु परिवर्तन के कारण विश्व में आज लाखों लोगों की मृत्यु हो रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम
दिनांक: 05/06/2024

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि, 1973 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर चिंता प्रकट की कि, भारत के राजस्थान में मरुस्थलीकरण तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक की यह प्रक्रिया राजस्थान से होते हुए मध्य प्रदेश के कुछ भागों तक भी आ चुकी है। उन्होंने कहा कि, सूखे की वजह से पृथ्वी की ऊपरी सतह में मरुस्थलीकरण हो रहा है। अति वर्षा, अति सूखा, जलवायु परिवर्तन के ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि, पौधा रोपण करते समय हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि हम वही पौधा लगाएं जो वहां का स्थानीय पौधा हो जो वहां की जलवायु में फल फूल सकता हो। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को प्रेरित करते हुए कहा हमें अपने घरों में आने वाले फलों के बीज सुरक्षित रखना चाहिएऔर उसे समय आने पर खाली जगह पर बोना चाहिए।

इस अवसर पर मंच संचालन विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना सिंह बिसेन द्वारा किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

भोज मुक्त विश्वविद्यालय का तीन बड़े संस्थानों के साथ अनुबंध
दिनांक: **11/06/2024**

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के इतिहास में आज का दिवस स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। दिनांक 11 जून 2024 को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी के सानिध्य में विश्वविद्यालय द्वारा 3 बड़े अनुबंध हंस्ताक्षरित हुए हैं। पहला अनुबंध सीईसी (सैक्षणिक संचार निकाय) के साथ संपन्न हुआ। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय के छात्रों को सीईसी के गुणवत्ता वाले हजारों शैक्षिक वीडियो और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का लाभ मिल सकेगा। दूसरा अनुबंध विश्वविद्यालय में ऑडियो/वीडियो स्टुडियो की स्थापना के लिए BECIL (ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड) के साथ किया गया। तीसरा और अंतिम अनुबंध डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के साथ संपन्न हुआ। जिसमे सागर विश्वविद्यालय कैंपस में मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र हेतु 20000 sqr ft में भवन निर्माण किया जा सकेगा। यह भूमि सागर विश्वविद्यालय द्वारा अपने परिसर में दी जाएगी। अनुबंध हस्ताक्षर समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तीन अलग-अलग संस्थाओं के अतिथियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। मुख्य अतिथि के रूप में शैक्षिक संचार निकाय नई दिल्ली के डायरेक्टर डॉ. जे बी नड्डा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर एवं श्री विपिन बिहारी पांडे, उप महाप्रबंधक BECIL नई दिल्ली उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजय तिवारी द्वारा की गई एवं कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ सुशील मंडेरिया द्वारा किया गया।

समारोह में स्वागत भाषण में अपने प्रेरणादायक उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि, ऑनलाइन शिक्षा ही भविष्य है। इसी को ध्यान रखते हुए हम विश्वविद्यालय और सीईसी के साथ अनुबंध संपादित करने जा रहे हैं। सीईसी के पास डिजिटल पाठ्यक्रम सामग्री का भण्डार है।

भोज मुक्त विश्वविद्यालय का तीन बड़े संस्थानों के साथ अनुबंध
दिनांक: 11/06/2024

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं सीईसी के शैक्षणिक सामग्री से लाभान्वित हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि विद्या बांटने से बढ़ती है। इसके लिए विश्वविद्यालय में डिजिटल लॉन्ज की स्थापना की जा रही है। यह डिजिटल कंटेंट भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में मदद करेगा। डॉ. तिवारी ने कहा कि भारत में उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात लगभग 28% है, जबकि हमारा लक्ष्य 2035 तक 50% तक सकल नामांकन अनुपात करने का है। सकल नामांकन अनुपात बढ़ाने में भोज विश्वविद्यालय अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहा है। और तीनों संस्थानों से आज जो अनुबंध निष्पादित किए जा रहे हैं। उनसे इस दिशा में अवश्य मदद मिलेगी।

ऑनलाइन ऑडियो-वीडियो से पढ़ाई कर सकेंगे छात्र

भोज मुक्त विश्वविद्यालय ने किए तीन बड़े अनुबंध

मध्य स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

बदलते परिवेश में ऑनलाइन शिक्षा जरूरी है। यह कहना है शैक्षिक संचार निकाय के निदेशक डॉ. जेबी नड्डा का। वह भोज मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन बड़े संस्थानों के साथ अनुबंध समारोह के दौरान बोल रहे थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी सहित तीन अलग-अलग संस्थाओं के अतिथियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। डॉ नड्डा ने कहा कि आज हमारे पास 1100 विश्वविद्यालय और 45000 महाविद्यालय हैं। हम अगले 11 साल में इतने विश्वविद्यालय और महाविद्यालय नहीं खोल सकते हैं। यदि हमें इस लक्ष्य तक पहुंचना है तो, हमें ऑनलाइन शिक्षा की ओर जाना ही होगा। उन्होंने इस बात पर चिंता जाहिर की कि, हमारे शिक्षकों की गुणवत्ता में कमी आई है। उन्होंने कहा कि, शिक्षकों का काम छात्रों का चरित्र निर्माण करना है। जो कोशिश आज हम करेंगे उसके फल हमें जल्द मिलेंगे।

ये तीन अनुबंध हुए

इस दौरान पहला सीईसी (शैक्षणिक संचार निकाय) के साथ हुआ। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय के छात्रों को सीईसी के गुणवत्ता वाले हजारों शैक्षिक वीडियो और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का लाभ मिल सकेगा। दूसरा अनुबंध ऑडियो/वीडियो स्टूडियो की स्थापना के लिए ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड के साथ किया गया। अंतिम अनुबंध डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के साथ कैंपस में भोज मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र खोलने [illegible]।

इस अवसर पर डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति, प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक लक्ष्य यह है कि, लोगों को शिक्षा के माध्यम से कौशल विकास के साथ-साथ जीवन के गुणवत्ता को बढ़ाना भी है। भारत को हमें एक ग्लोबल हब के रूप में विकसित करना है। नई पीढ़ी के बच्चों को डिजिटल रूप में ही शिक्षा चाहिए और भोज विश्वविद्यालय आज बहुत महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है। आज के इस अनुबंध के द्वारा विश्वविद्यालय को सागर विश्वविद्यालय से अकादमिक सहयोग मिलेगा और डिजिटल ई कंटेंट के विकास में सहयोग होगा। उन्होंने कहा कि, सागर विश्वविद्यालय में मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र संचालित है।

भोज मुक्त विश्वविद्यालय का तीन बड़े संस्थानों के साथ अनुबंध
दिनांक: 11/06/2024

इसके लिए हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर 20000 स्क्वायर फीट जमीन विश्वविद्यालय को देगा। जिससे उसमें मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालयका क्षेत्रीय केंद्र का भवन निर्मित हो सकेगा। डॉ. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि, हमें अपने देश को ग्लोबल लीडर बनना है और यह कार्य उच्च शिक्षा को बढ़ाए बगैर नहीं हो सकता है। आज यह सोचने की बात है की उच्च शिक्षा को हम गांव में रह रहे लोगों, महिलाओं और हमारे सैनिकों तक कैसे पहुंचाएं, जिन्हें उच्च शिक्षा की सबसे अधिक जरूरत है। इस दिशा में दूरस्थ और मुक्त शिक्षा तथा डिजिटल शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डॉ. गुप्ता ने कहाकि, नई शिक्षा नीति कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देती है और इसके लिए हमारे विश्वविद्यालय ने 22 कौशल आधारित पाठ्यक्रम चालू किए हैं। नईशिक्षा का उद्देश्य है "चरित्र निर्माण" और छात्रों का सर्वांगीण विकास करना।

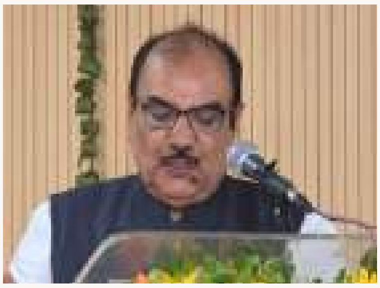

सागर विश्वविद्यालय कैंपस में खुलेगा भोज का क्षेत्रीय केंद्र

भोज मुक्त विश्वविद्यालय ने तीन बड़े संस्थानों से किए अनुबंध

भोपाल। मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा 3 बड़े अनुबंध हस्ताक्षरित हुए हैं। पहला सीईसी (शैक्षणिक संचार निकाय) के साथ संपन्न हुआ। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय के छात्रों को सीईसी के गुणवत्ता वाले हजारों शैक्षिक वीडियो और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का लाभ मिल सकेगा। दूसरा अनुबंध विश्वविद्यालय के में ऑडियो वीडियो स्टूडियो की स्थापना के लिए ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड के साथ किया गया। तीसरा और अहम अनुबंध डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के साथ संपन्न हुआ। जिसके तहत सागर विश्वविद्यालय कैंपस परिसर में मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र के लिए 20 हजार स्क्वेयर फीट में भवन निर्माण किया जा सकेगा।

मंगलवार को अनुबंध हस्ताक्षर समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तीन अलग-अलग संस्थाओं के अतिथियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। मुख्य अतिथि के रूप में शैक्षिक संचार निकाय नई दिल्ली के डायरेक्टर डॉ. जेबी नड्डा उपस्थित रहे। प्रो. नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में हम 13 भाषाओं के माध्यम से शिक्षा पर जोर दे रहे हैं। 2035 तक हमें उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात को 50 फीसदी तक ले जाना है।

शैक्षिक संचार निकाय के निदेशक प्रो. जगत भूषण नड्डा ने कहा कि, जब तक हम गुलामी के तंत्र को खत्म कर अपना तंत्र नहीं विकसित करते तब तक हम सही मायने में स्वतंत्र नहीं कहलाते हैं। सन् 1885 से अब तक हम मैकाले के शिक्षा पद्धति को ही अपनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में हम 13 भाषाओं के माध्यम से शिक्षा पर जोर दे रहे हैं। 2035 तक हमें उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात को 50% तक ले जाना है। आज हमारे पास लगभग 1100 विश्वविद्यालय और लगभग 45000 महाविद्यालय हैं। किंतु हम अगले 11 साल में इतने विश्वविद्यालय और महाविद्यालय नहीं खोल सकते हैं। यदि हमें इस लक्ष्य तक पहुंचना है तो, हमें ऑनलाइन शिक्षा की ओर जाना ही होगा। उन्होंने इस बात पर चिंता जाहिर की कि, हमारे शिक्षकों की गुणवत्ता में कमी आई है। उन्होंने कहा कि, शिक्षकों का काम छात्रों का चरित्र निर्माण करना है। जो कोशिश आज हम करेंगे उसके फल हमें आने वाले 10-20 साल बाद पता चलेंगे। उन्होंने कहा कि, शैक्षणिक संचार निकाय के पास 1000 से ज्यादा डॉक्यूमेंट्री हैं। इनको देश के साथ-साथ विदेश में भी देखा जाता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई अवार्ड हासिल हुए हैं।

भोज मुक्त विश्वविद्यालय का तीन बड़े संस्थानों के साथ अनुबंध
दिनांक: 11/06/2024

उन्होंने इस संबंध में ऑनलाइन पोर्टल 'स्वयं' का भी उल्लेख किया। स्वयंप्रभा फ्री डीटीएच चैनल है। जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रमों पर आधारित कार्यक्रमों का प्रसारण निशुल्क किया जाता है। डॉ. नड्डा ने कहा कि, अगर आज हमारी शिक्षा सुधर गई तो समझिए देश का हर क्षेत्र सुधर जाएगा।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि, आज मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय एक डिजिटल शिक्षा की नई सीढ़ी पर कदम रख रहा है। यदि संचार क्रांति देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंची है, तो इसमें कोई शक नहीं है की डिजिटल शिक्षा भी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि, मध्य प्रदेश में भोज विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का प्रसार अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने यह भी कहा कि, आज तीनों संस्थानों के साथ अनुबंध होने से मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के छात्र सबसे अधिक लाभान्वित होंगे।

कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सहायता के निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्तअधिकारी एवम कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस गतिविधियों की झलकियां
दिनांक : 21/06/2024

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में संस्थानिक नवाचार पर कार्यक्रम का आयोजन दिनांक: **26/06/2024**

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा नवाचार और स्टार्टअप को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन दिनांक: 26/06/2024 को किया गया। कार्यक्रम का विषय थे "My Story-Motivational session by Successful Innovators" कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती अल्का शर्मा, संस्थापक, खद्योत नेचुरल प्राइवेट लिमिटेड तथा मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. प्रदीप त्रिपाठी, महासचिव, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, मध्य प्रदेश उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी द्वारा की गई एवं कार्यक्रम संयोजक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के संस्थानिक नवाचार प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. शैलेंद्र सिंह ने विषय प्रवर्तन करते हुए उपस्थित विद्यार्थियों को सरकार के संस्थानिक नवाचार परिषद का परिचय देते हुए उनके उद्देश्य और कार्य प्रणाली से परिचित कराया। मुख्य वक्ता सुश्री अल्का शर्मा ने कहा कि, उनकी कंपनी जैविक और प्राकृतिक खेती का कार्य करती है। उन्होंने महिलाओं के उद्योगपति बनने के सफर में आने वाली कठिनाइयों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि, हमने जैविक खेती सीखने के लिए भारत के कई गांवों का दौरा किया और इस हेतु हमने अफ्रीका, अमेरिका तथा ऑस्ट्रेलिया में जाकर वहां रह कर भी जैविक खेती सीखी। इस कंपनी की स्थापना में हमने 15 लाख रुपए का निवेश किया, जो आज वर्त्तमान में 100 करोड़ से ऊपर की कंपनी बन गई है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि, एक उद्यमी का जीवन कठिन होता है। किसी भी व्यापार में सफल होने के लिए आपके पास अच्छी नेटवर्किंग चाहिए होती है। हमें अपने समय की कीमत को समझना चाहिए और हमें शासन के सहयोग पर ज्यादा निर्भर न रहकर अपने खुद से उद्यम स्टार्ट करने चाहिए।

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में संस्थानिक नवाचार पर कार्यक्रम का आयोजन दिनांक: 26/06/2024

उन्होंने कहा कि, हमें अपने कौशल को ऐसे क्षेत्रों में निवेश करना चाहिए, जहां उसका प्रतिफल मिल सके। श्रीमती अल्का का कहना है, डिजिटल मार्केटिंग और परफॉर्मेंस मैनेजमेंट आदि ऐसे क्षेत्र हैं, जिनको सीखना हर उद्यमी के लिए बहुत आवश्यक है। उद्यमी के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है, अच्छे मानव संसाधन का मिलना और उससे भी बड़ी चुनौती यह है कि, उस मानव संसाधन को हम अपने साथ जोड़ कर रख सकें और बरकरार रख सके। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि, उद्यमी को हमेशा धैर्य बनाए रखना चाहिए। अपने वक्तव्य के अंत में अल्का शर्मा ने विद्यार्थियों के जिज्ञासाओं को भी शांत किया और उनके प्रश्नो के उचित उत्तर दिए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप त्रिपाठी, महासचिव, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, मध्य प्रदेश ने अपने प्रेरणास्पद वक्तव्य में कहा कि, भारत सरकार ने 2016 में स्टार्टअप अभियान चालू किया था। आज भारत में एक लाख से ज्यादा स्टार्टअप है। जो लगभग 12 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार दे चुके हैं। व्यक्ति हमेशा अपनी गलतियों से सीखता है और आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि, भारत के लोगों ने हमेशा दुनिया को कुछ ना कुछ दिया है। आज भारत के योग को सारी दुनिया बिना पेटेंट के इस्तेमाल कर रही है। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि, भारत की महिलाएं पूरी दुनिया की सबसे कुशल गृहणियां है। वह जो भोजन पकाती हैं, वह भी हमारे लिए औषधि का काम करता है। हमारे देश में सब कुछ सामंजस्य में है। हमें अपनी जन्म भूमि, देश और इतिहास के प्रति सकारात्मक सोच रखना होगा। उन्होंने कहा कि, भारत में कई सारे समाज की बहुत परंपराएं ऐसी हैं जो, दूसरों के लिए हैं। व्यक्ति को अपनी क्षमताओं का आकलन करना जरूरी है। इसमें हमें स्वयं के प्रति ईमानदार रहकर अपना विश्लेषण करना है। जीवन में आगे बढ़ाना हैतो अच्छे लोगों को जोड़ और सफल उद्यमी बने डॉ. त्रिपाठी ने भारत की धार्मिक पूजा पाठ का भी विभिन्न पहलुओं में विश्लेषण करते हुए, उनके वैज्ञानिक आधार को समझाया। भारत में 108 चिकित्सा पद्धतियों का जन्म हुआ है। हमें अपनी परंपराओं को वैज्ञानिक नजरिया से देखने की जरूरत है। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि, आज भारत के फाइव स्टार, सेवन स्टार होटल विदेशी उत्पादन को छोड़कर भारतीय जैविक उत्पादों का इस्तेमाल करने लगे हैं।

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में संस्थानिक नवाचार पर कार्यक्रम का आयोजन दिनांक: **26/06/2024**

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि, नवाचार एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। नवाचार के क्षेत्र 2014-15 में भारत की दुनिया में 82 रैंकिंग थी। आज हम प्रगति करते हुए 40 वीं रैंक पर आ गए हैं। उन्होंने कहा कि, अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा स्टार्टअप भारत के पास है। डॉ. तिवारी ने बताया कि, असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ी है। उन्होंने विद्यार्थियों का आवाहन करते हुए कहा कि, समाज की समस्याओं को हल करने के लिए स्टार्टअप और नवाचार करें। हमें अपनी सोच को बदलना होगा। हमें शिक्षा अपने बच्चों को सिर्फ इसलिए नहीं दिलाना चाहिए कि, वह किसी कंपनी में जाकर नौकरी करें, बल्कि उन्हें कुछ नवाचार करने और उद्यमी बनने के लिए भी प्रेरित करना चाहिए। डॉ. तिवारी ने कहा कि, हमारी संस्थानों में प्लेसमेंट सेल होते हैं। जबकि अमेरिका में करियर सेंटर होते हैं। जिसमें बच्चों को करियर के विभिन्न ऑप्शंस बताया जाता है और उसके लिए उन्हें ट्रेनिंग भी दी जाती है। उन्होंने कहा कि, मेक इन इंडिया के लिए हमें आविष्कार करना होगा। अपना प्रोडक्ट बनाना होगा। हमारी बढ़ती आबादी के लिए उद्यमिता और स्टार्टअप बहुत अच्छा विकल्प है।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुल सचिव एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुशील मंडेरिया ने आभार प्रदर्शन के पूर्व अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, दूरस्थ शिक्षण का सबसे पहले स्टार्टअप एकलव्य ने शुरू किया था। उन्होंने एक स्टार्टअप का उल्लेख करते हुए कहा कि, किस प्रकार भारत में उगने वाली तुरई को सुखाकर उसका प्रोडक्ट बनाकर आज विदेश में कई डॉलर में बेचा जा रहा है। कार्यक्रम में मंच संचालन मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना सिंह बिसेन के द्वारा किया गया। इस अवसर पर भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी गण सभागार में उपस्थित रहे।